

## भारी उद्योग और सरकारी उद्यम मंत्रालय

मांग संख्या 50

भारी उद्योग विभाग

क. वसूलियाँ और प्राप्तियाँ को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है:

मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2010-2011			बजट 2011-2012			संशोधित 2011-2012			बजट 2012-2013			
	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	
राजस्व	236.76	81.19	317.95	359.10	56.65	415.75	357.12	50.52	407.64	496.49	56.67	553.16	
पूँजी	36.00	604.43	640.43	39.90	400.00	439.90	39.68	399.81	439.49	56.51	400.00	456.51	
जोड़	272.76	685.62	958.38	399.00	456.65	855.65	396.80	450.33	847.13	553.00	456.67	1009.67	
1. सचिवालय-आर्थिक सेवाएं	3451	1.25	14.56	15.81	3.70	16.64	20.34	1.72	14.79	16.51	5.50	15.66	21.16
उद्योग													
2. आटोमोटिव उद्योग का अनुसंधान और विकास	2852	...	...	...	...	25.00	25.00	...	18.41	18.41	...	25.00	25.00
3. राष्ट्रीय आटोमोटिव परीक्षण एवं आरएंडडी अवसंरचना परियोजना	2852	232.14	...	232.14	355.40	...	355.40	355.40	...	355.40	488.48	...	488.48
4. हिन्दुस्तान साल्ट लिमिटेड को अनुदान	2852	...	2.00	2.00	...	1.00	1.00	...	3.12	3.12	...	2.00	2.00
5. राष्ट्रीय औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड	2852	...	0.12	0.12	...	...	...	...	0.09	0.09	...	...	...
6. भारत यंत्र निगम लिमिटेड	2852	...	...	...	...	...	...	...	0.19	0.19	...	...	...
7. पूंजीगत वस्तु क्षेत्र का आधुनिकीकरण	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	2.50	...	2.50
8. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के कार्यान्वयन के लिए सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को बैंक वित्त पर व्याज संबंधी आर्थिक सहायता	2852	...	5.20	5.20	...	14.00	14.00	...	13.91	13.91	...	14.00	14.00
9. अन्य व्यय	2852	3.37	...	3.37	...	0.01	0.01	...	0.01	0.01	0.01	0.01	0.02
जोड़-उद्योग		235.51	7.32	242.83	355.40	40.01	395.41	355.40	35.73	391.13	490.99	41.01	532.00
10. तेल और प्राकृतिक गैस कारपोरेशन लिमिटेड को अनुदान	2802	...	61.54	61.54	...	...	...	...	...	...	...	...	...
11. पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम के लाभ के लिए परियोजनाओं/स्कीमों के लिए एकमुश्त प्रावधान	4552	...	...	...	39.90	...	39.90	39.68	...	39.68	55.30	...	55.30
12. सरकारी क्षेत्र के उद्यमों के पुनर्गठन के लिए एकमुश्त प्रावधान	4858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
13. ऋण का 3.5 प्रतिशत वरीयता शेयर पूंजी में परिवर्तन													
13.01 इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड, कोटा	4858	8.57	...	8.57	...	...	...	...	...	...	...	...	...
14. सरकारी क्षेत्र के उद्यमों को आयोजना भिन्न ऋण													
14.01 स्वैच्छिक पृथक्कीकरण योजना और सांविधिक देयों हेतु एकमुश्त प्रावधान	6858	...	...	...	...	250.00	250.00	...	159.04	159.04	...	250.00	250.00
14.02 लोक उद्यमों के लिए पुनरुज्जीवन	6854	...	...	...	...	150.00	150.00	...	64.26	64.26	...	150.00	150.00

मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2010-2011			बजट 2011-2012			संशोधित 2011-2012			बजट 2012-2013			
	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	
योजना हेतु एकमुश्त प्रावधान													
14.03 इंजीनियरिंग उद्योग													
14.03.01 भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड	6858	...	...	...	...	...	...	0.31	0.31	...	...	...	
14.03.02 एचएमटी लिमिटेड	6858	...	399.28	399.28	...	...	...	104.35	104.35	...	...	...	
14.03.03 हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड	6858	...	108.96	108.96	...	...	...	44.65	44.65	...	...	...	
14.03.04 स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड	6858	...	46.80	46.80	...	...	...	3.98	3.98	...	...	...	
14.03.05 त्रिवेणी स्ट्रक्चरल लिमिटेड	6858	...	2.88	2.88	...	...	...	1.58	1.58	...	...	...	
14.03.06 तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्स लिमिटेड	6858	...	2.43	2.43	...	...	...	1.29	1.29	...	...	...	
जोड़- इंजीनियरिंग उद्योग		...	560.35	560.35	...	...	...	156.16	156.16	...	...	...	
14.04 उपभोक्ता उद्योग													
14.04.01 नेपा लिमिटेड	6860	...	28.20	28.20	...	...	...	15.94	15.94	...	...	...	
14.04.02 हिन्दुस्तान फोटो फिल्म लिमिटेड	6860	1.00	12.27	13.27	...	...	...	...	...	...	...	...	
14.04.03 हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड	6860	...	...	...	...	...	...	4.41	4.41	...	...	...	
जोड़- उपभोक्ता उद्योग		1.00	40.47	41.47	...	...	...	20.35	20.35	...	...	...	
जोड़- सरकारी क्षेत्र के उद्यमों को आयोजना भिन्न ऋण		1.00	600.82	601.82	...	400.00	400.00	...	399.81	399.81	...	400.00	400.00
15. ऋण माफ करना													
15.01 बर्न स्टैंडर्ड कम्पनी लिमिटेड	2852	...	639.15	639.15	...	...	...	...	...	...	...	...	
15.02 घटाए - निवल प्राप्तियां	0049	...	-639.15	-639.15	...	...	...	...	...	...	...	...	
कुल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	
16. इक्रीटी को घटाकर रखना													
16.01 बर्न स्टैंडर्ड कम्पनी लिमिटेड	2852	...	500.01	500.01	...	...	...	...	...	...	...	...	
बीबीयूएनएल की सहायक कम्पनी													
16.02 घटाए - निवल प्राप्तियां	0852	...	-500.01	-500.01	...	...	...	...	...	...	...	...	
कुल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	
17. गारंटी फीस माफ करना													
17.01 हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन	2852	...	2.53	2.53	...	...	...	...	...	...	...	...	
17.02 एंड्र यूल एंड कंपनी लिमिटेड	2852	...	1.28	1.28	...	...	...	0.64	0.64	...	...	...	
17.03 घटाए - निवल प्राप्तियां	0075	...	-3.81	-3.81	...	...	...	-0.64	-0.64	...	...	...	
कुल		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	
18. भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड को अनुदान	2852	...	5.85	5.85	...	...	...	...	...	...	...	...	
19. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में निवेश	4854	...	...	...	...	...	...	...	...	0.01	...	0.01	
	4858	25.43	...	25.43	...	...	...	...	...	0.51	...	0.51	
	4860	1.00	...	1.00	...	...	...	...	...	0.01	...	0.01	

मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2010-2011			बजट 2011-2012			संशोधित 2011-2012			बजट 2012-2013				
	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़		
6858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.63	...	0.63		
6860	...	3.61	3.61	...	...	...	...	...	...	0.05	...	0.05		
जोड़	26.43	3.61	30.04	...	...	...	...	...	...	1.21	...	1.21		
20. वास्तविक वसूलियां	2852	...	-8.08	...	...	...	...	...	...	...	...	...		
कुल जोड़	272.76	685.62	958.38	399.00	456.65	855.65	396.80	450.33	847.13	553.00	456.67	1009.67		
विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़		
<b>ख. सार्वजनिक उद्यम में निवेश</b>														
<i>इंजीनियरिंग उद्योग</i>														
1. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	12858	...	1771.00	1771.00	...	1401.00	1401.00	...	1401.00	1401.00	...	1696.00	1696.00	
2. एचएमटी लिमिटेड	12858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.05	...	0.05
3. हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड	12858	...	2.46	2.46	...	82.20	82.20	...	82.20	82.20	...	0.01	...	0.01
4. स्कूटर्स इंडिया लिमिटेड	12858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.01	...	0.01
5. हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड	12858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.01	...	0.01
6. इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड, कोटा	12858	8.57	...	8.57	...	...	...	...	...	...	...	1.01	...	1.01
7. एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड	12858	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	68.00	68.00	
8. भारत यंत्र निगम लिमिटेड	12858	...	50.05	50.05	...	44.00	44.00	...	44.00	44.00	...	0.03	30.00	30.03
9. भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड	12858	25.43	...	25.43	...	...	...	...	...	...	...	0.02	...	0.02
10. इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट (इंडिया) लिमिटेड	12858	...	0.70	0.70	...	14.00	14.00	...	14.00	14.00	...	8.00	8.00	
11. इंस्ट्रुमेंटेशन लिमिटेड कोटा/राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रुमेंट्स लिमिटेड	12858	...	...	...	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	2.50	2.50	
12. नेशनल ऑटोमेटिव टैस्टिंग आरएंडडी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट	12858	...	...	...	...	9.00	9.00	...	9.00	9.00	...	9.49	9.49	
13. फ्ल्यूड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट	12858	...	0.75	0.75	...	1.00	1.00	...	1.00	1.00	...	0.50	0.50	
<b>जोड़-इंजीनियरिंग उद्योग</b>		<b>34.00</b>	<b>1824.96</b>	<b>1858.96</b>		<b>1552.20</b>	<b>1552.20</b>		<b>1552.20</b>	<b>1552.20</b>		<b>1.14</b>	<b>1814.49</b>	<b>1815.63</b>
<i>उपभोक्ता उद्योग</i>														
14. हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लिमिटेड	12860	...	5.09	5.09	...	40.87	40.87	...	40.87	40.87	...	0.02	181.53	181.55
15. हिन्दुस्तान न्यूजप्रिंट्स लिमिटेड	12860	...	0.56	0.56	...	8.50	8.50	...	8.50	8.50	...	10.33	10.33	
16. नेपा लिमिटेड	12860	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.01	...	0.01
17. हिन्दुस्तान साल्ट्स लिमिटेड	12860	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.02	...	0.02

	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. व. वा. सं.	जोड़	
18.	हिन्दुस्तान फोटोफिल्म्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड	12860	2.00	...	2.00	...	...	...	...	...	...	...	...	
19.	टायर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड	12860	...	0.01	0.01	...	2.20	2.20	...	2.20	0.01	...	0.01	
<b>जोड़-उपभोक्ता उद्योग</b>		<b>2.00</b>	<b>5.66</b>	<b>7.66</b>	<b>...</b>	<b>51.57</b>	<b>51.57</b>	<b>...</b>	<b>51.57</b>	<b>51.57</b>	<b>0.06</b>	<b>191.86</b>	<b>191.92</b>	
<i>सीमेंट और अधात्विक खनिज उद्योग</i>														
20.	सीमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड	12854	...	3.06	3.06	...	122.02	122.02	...	122.02	0.01	75.43	75.44	
21.	सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में वर्धन, संशोधन एवं प्रतिस्थापन	12854	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	
<b>जोड़-सीमेंट और अधात्विक खनिज उद्योग</b>		<b>...</b>	<b>3.06</b>	<b>3.06</b>	<b>...</b>	<b>122.02</b>	<b>122.02</b>	<b>...</b>	<b>122.02</b>	<b>122.02</b>	<b>0.01</b>	<b>75.43</b>	<b>75.44</b>	
<b>जोड़</b>		<b>36.00</b>	<b>1833.68</b>	<b>1869.68</b>	<b>...</b>	<b>1725.79</b>	<b>1725.79</b>	<b>...</b>	<b>1725.79</b>	<b>1725.79</b>	<b>1.21</b>	<b>2081.78</b>	<b>2082.99</b>	
<b>ग. योजना परिव्यय</b>														
1.	इंजीनियरी उद्योग	12858	270.76	1824.96	2095.72	359.10	1552.20	1911.30	357.12	1552.20	1909.32	497.63	1814.49	2312.12
2.	उपभोक्ता उद्योग	12860	2.00	5.66	7.66	...	51.57	51.57	...	51.57	51.57	0.06	191.86	191.92
3.	सीमेंट और अधात्विक खनिज उद्योग	12854	...	3.06	3.06	...	122.02	122.02	...	122.02	122.02	0.01	75.43	75.44
4.	पूर्वोत्तर क्षेत्र	22552	...	...	...	39.90	...	39.90	39.68	...	39.68	55.30	...	55.30
<b>जोड़</b>		<b>272.76</b>	<b>1833.68</b>	<b>2106.44</b>	<b>399.00</b>	<b>1725.79</b>	<b>2124.79</b>	<b>396.80</b>	<b>1725.79</b>	<b>2122.59</b>	<b>553.00</b>	<b>2081.78</b>	<b>2634.78</b>	

1. **सचिवालय:** भारी उद्योग विभाग के सचिवालय व्यय के लिए धनराशि उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त यह प्रशिक्षण, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर की खरीद के साथ-साथ विकास, सॉफ्टवेयर का रख-रखाव और कार्यालय परिसरों के आधुनिकीकरण सहित सूचना प्रौद्योगिकी के लिए धनराशि भी उपलब्ध कराता है।

2. **ऑटोमोटिव उद्योगों का अनुसंधान और विकास:** इसमें डेवलपमेंट काउंसिल फॉर ऑटोमोबाइल एण्ड अलाइड इण्डस्ट्री को बदलते सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों के अनुसार अनुसंधान संस्थानों जैसे एआरएआई, पुणे, वीआरडीआई, अहमदनगर और सीआईआरटी, पुणे और देश में अन्यथा अनुसंधान और विकास संस्थानों में वाहनों के परीक्षण हेतु सुविधाएं स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाता है।

3. **नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग और अनुसंधान एवं विकास इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट (नैट्रिप):** नैट्रिप भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य ऑटो सेक्टर के लिए आवश्यक ऑटोमोटिव टेस्टिंग, वेलिडेशन और अनुसंधान और विकास अवसंरचना का सृजन करना है। नैट्रिप का उद्देश्य राष्ट्रीय ऑटोमोटिव सुरक्षा और उत्सर्जन रोडमैप की उभरती आवश्यकताओं के अनुरूप विश्वस्तरीय ऑटोमोटिव टेस्टिंग, वेलिडेशन, अनुसंधान और विकास तथा होमोलोगेशन सुविधाओं का सृजन करना है। इनका सृजन तीन मुख्य केन्द्रों उत्तर, पश्चिम और दक्षिण भारत में किया जाना है। भारत सरकार ने इस परियोजना के लिए अधिकांश राशि दी है और सभी परियोजना आयातों के लिए सीमा शुल्क में पूरी छूट दी है, वहीं

राज्य सरकारों ने रियायती दरों पर भूमि देने का प्रस्ताव किया है। इससे भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग के वैश्विक ऑटोमोटिव उद्योग के साथ सुविधाजनक एकीकरण को आसान बनाने के लिए कोर वैश्विक क्षमताओं के सृजन का परियोजना उद्देश्य पूरा करने में सुगमता होगी।

4. **हिन्दुस्तान साल्ट्स लिमिटेड (एचएसएल):** इसे पूर्व में नमक विभाग द्वारा प्रबंध किए जा रहे सांभर, डीडवाना और खारगोडा स्थित नमक संसाधनों का अधिग्रहण करके भारत सरकार द्वारा पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में 12-04-1958 को निगमित किया गया था। एचएसएल के कर्मचारियों की पेंशन देयताओं को पूरा करने के लिए बजटीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है।

6. **भारत यंत्र निगम लिमिटेड (बीवाईएनएल):** इसे 1986 में धारक कंपनी के रूप में निगमित किया गया था। इसकी छह सहायक कंपनियां हैं - भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड (बीएचपीवी), भारत पम्प एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड (वीपीसीएल), त्रिवेणी स्ट्रक्चरल लिमिटेड (टीएसएल), तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीएसपीएल), रिचर्ड्सन एंड कुडास (1972) लिमिटेड (आरएंडसी) और ब्रिज एंड रूफ कंपनी लिमिटेड (बीएंडआर)। समापन प्रक्रिया जारी है। पूर्ववर्ती सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अब स्वतंत्र क्षेत्र के उद्यम बन चुके हैं। समापन प्रक्रिया की अंतिम बैठक 12-01-2012 को बीवाईएनएल में हुई थी।

(i) भारत पम्पस एंड कंप्रेसर्स लिमिटेड (बीपीसीएल), नैनी, इलाहाबाद - बीपीसीएल की स्थापना 01-01-1970 को हुई थी। यह मुख्य रूप से सेंट्रीफ्यूगल और रिसीप्रोकेटिंग पम्प, कार्बोहोट और अमोनिया पम्प, रिसीप्रोकेटिंग कंप्रेसर और गैस/सीएनजी सिलेण्डरों का विनिर्माण करती है। दिसम्बर, 2005 में कंपनी के पुनरुद्धार और पुनर्गठन के लिए एक योजना अनुमोदित की गई थी। कंपनी के निदेशक मंडल का बीएचईएल, ओएनजीसी और ईआईएल के समर्थन से पुनर्गठन किया गया है।

(ii) रिचर्डसन एंड क्रुडस (1972) लिमिटेड (आरएंडसी) मुम्बई-कंपनी का 1972 में राष्ट्रीयकरण किया गया था। यह मुख्य रूप से स्टील संरचना, ट्रांसमिशन लाइन टावर, ट्यूबवेल और हैंड पम्प आदि से संबंधित कार्य करती है। कंपनी की चार इकाइयां मुम्बई में मुलुंड तथा भायखला, नागपुर और चैन्नई में स्थित हैं। अपनी 23-06-2011 को हुई बैठक में बीआईएफआर ने प्रबंधन को बदल कर उसके पुनरुद्धार हेतु वैकल्पिक साधन खोजने का निर्णय लिया। तदनुसार, एसबीआई ने 04-08-2011 को विज्ञापन जारी किया। इस विभाग ने कम्पनी की परिसम्पत्तियों को अपने अधीन करने/जबी बनाने के लिए केन्द्र सरकार के विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करने की अनुमति लेने हेतु बीआईएफआर के सम्मुख शपथ-पत्र दायर किया है। मामले पर बीआईएफआर के साथ आगे की कार्रवाई चल रही है।

7. **सरकारी क्षेत्र के उद्यमों हेतु केपिटल गुड्स सेक्टर का आधुनिकीकरण:** सरकारी क्षेत्र के उद्यमों केपिटल गुड्स सेक्टर का आधुनिकीकरण हेतु प्रावधान किया गया है।

8. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को वीआरएस के कार्यान्वयन हेतु बैंक वित्त पर ब्याज सब्सिडी:** वीआरएस के कार्यान्वयन हेतु सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को बैंक वित्त का प्रबंध करने के लिए योजना के तहत देय ब्याज के लिए प्रावधान है।

9. **अन्य व्यय:** इसका प्रावधान फ्लूइड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट और कोल गैसीकरण परियोजनाओं तथा औद्योगिक संघों के लिए तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को प्रोन्नयन गतिविधियों के लिए अनुदान हेतु किया गया है। एफसीआरआई वर्ष 1987 में प्रवाह माप एवं नियंत्रण से संबंधित गतिविधियों हेतु और भारत तथा दक्षिण एशिया हेतु प्रौद्योगिकी विकास और प्रवाह उत्पादों के लिए प्राथमिक फ्रेमवर्क उपलब्ध कराने के लिए यूएनडीपी परियोजना के रूप में स्थापित किया गया था। इसमें औद्योगिक संघों और प्रोन्नयन गतिविधियों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा भुगतान आयुक्त, कोलकाता को सहायता अनुदान शामिल है।

11. **पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम के लिए एकमुश्त प्रावधान:** पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम को लाभ पहुंचाने हेतु परियोजनाओं/स्कीमों के लिए धन उपलब्ध कराता है।

14.01. **सार्वजनिक उपक्रमों को गैर बीआरएस/वीवीएस तथा सांविधिक देयों हेतु एकमुश्त प्रावधान:** यह प्रावधान सार्वजनिक क्षेत्र के हानि उठा रहे उपक्रमों के अपने संसाधनों में अंतराल को अंशतः पूरा करने के लिए गैर योजना ऋण के लिए है। इसमें वीआरएस/वीएसएस के कार्यान्वयन तथा कर्मचारियों के सांविधिक देय राशियों में कमी हेतु 250.00 करोड़ रुपए का एक मुश्त प्रावधान शामिल है।

14.02. **सरकारी क्षेत्र के उद्यमों के पुनर्गठन/पुनरुद्धार के लिए एकमुश्त प्रावधान:** 150 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान सार्वजनिक क्षेत्र के हानि उठा रहे उद्यमों की पुनर्गठन/पुनरुद्धार योजनाओं पर व्यय को पूरा करने के लिए है। प्रावधान इस विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य उद्यमों के लिए भी है तथा यह निधि की आवश्यकता और सरकारी अनुमोदन के आधार पर है।

14.03.01. **भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) :-** इसे 1986 में धारक कंपनी के रूप में निगमित किया गया था जिसकी सात सहायक कंपनियां थीं। बीबीयूएनएल की तीन प्रचालनरत सहायक कंपनियों में से दो कंपनियों नामत बीएससीएल, सीसीएल रूग्णक थी और बीआईएफआर को सौंपी गई थी। विनिर्माण कंपनी होने के कारण बीबीजे रूग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष प्रावधान) अधिनियम (एसआईसीए) के अधिकार क्षेत्र में नहीं थी। लोक उद्यम पुनर्गठन बोर्ड (बीआरपीएसई) की सिफारिश के आधार पर वित्तीय पुनर्संरचना के माध्यम से इन चार कंपनियों का पुनरुद्धार करने का निर्णय लिया गया। बीआरपीएसई की सिफारिश के आधार पर बीसीएल और बीबीजे की पुनर्संरचना सरकार द्वारा पहले ही कर दी गई है। दिनांक 13-08-2008 को बीडब्ल्यूईएल रेल मंत्रालय को हस्तांतरित कर दी गयी है।

सरकार ने भारत भारी उद्योग निगम लिमिटेड (बीबीयूएनएल) की वित्तीय पुनर्संरचना और उसकी सहायक कंपनियां, बर्न स्टैण्डर्ड कंपनी लिमिटेड (बीएससीएल) और ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड (बीएसएल) के प्रशासनिक नियंत्रण को रेल मंत्रालय को तथा बीएससीएल की रिफैक्ट्री इकाई इस्पात मंत्रालय (राज्य मंत्री) के तहत स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को हस्तांतर करने के प्रस्ताव को अनुमोदन दे दिया गया है। सरकार ने बीबीयूएनएल और बीबीजे के विलय को भी अनुमोदन दे दिया है।

14.03.02. **हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लिमिटेड:** इसे 1953 में निगमित किया गया था। कंपनी देश के विभिन्न राज्यों में 16 इकाई और 22 उत्पाद प्रभागों के साथ एक प्रमुख बहुइकाई और बहु उत्पाद कंपनी बन गई। कंपनी उच्च प्रीसीशन मशीन टूल्स, प्रिंटिंग मशीनरी, लैंप और लैंप बनाने वाली मशीनरी, ट्रेक्टर, कलाई में पहनने वाली घड़ी बनाने से संबंधित मशीनरी, होरोलाजिकल मशीनरी, डेयरी मशीनरी के उत्पादन में संलग्न है। तदुपरांत कंपनी की घड़ी, मशीन टूल्स, बियरिंग और अंतर्राष्ट्रीय कारोबार समूहों को संगठनात्मक पुनर्संरचना के रूप में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों अर्थात् एचएमटी वाचेज लिमिटेड, एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, एचएमटी बियरिंग लिमिटेड, एचएमटी चिनार वाचेज लिमिटेड और एचएमटी (इंटरनेशनल) लिमिटेड में परिवर्तित कर दिया गया है। एचएमटी बियरिंग लिमिटेड, एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के पुनरुद्धार पैकेज को अनुमोदन दे दिया गया है। परन्तु पुनरुद्धार योजनाएं वांछित परिणाम नहीं ला सकी और ये कंपनियां निरंतर हानियां उठा रही हैं। प्रागा टूल्स लिमिटेड (पीटीएल) जोकि 1988 से एचएमटी लिमिटेड की सहायक कंपनी थी का अक्तूबर में पुनरुद्धार पैकेज को अनुमोदन देते समय सीसीईए के निदेशानुसार दिनांक 01-04-2007 को एचएमटी (एमटीएल) में विलय कर दिया गया है। तदन्तर, यह निर्णय लिया गया है कि एचएमटी कंपनी समूह की हानियों का अध्ययन करने और एक ठोस व्यवसाय योजना के चलते पुनरुद्धार हेतु अनुशंसा अथवा अन्यथा के लिए एक परामर्शी नियुक्त किया जाए।

14.03.03. **हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड (एचसीएल):** हिन्दुस्तान केबल्स लिमिटेड (एचसीएल) भारत सरकार का उपक्रम एचसीएल को 1952 में निगमित किया गया था और यह दूरसंचार केबल्स के विनिर्माण में संलग्न है। कंपनी की तीन इकाइयां एक रूपनारायणपुर (पश्चिम बंगाल), हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) और इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में तथा इसका एक पृथक टर्नकी

प्रोजेक्ट डिबीजन है। कंपनी बीआईएफआर द्वारा रूग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष प्रावधान), 1985 के तहत दर्ज है और भारतीय स्टेट बैंक को प्रचालन एजेंसी के रूप में नियुक्ति किया गया है। आईआईटी, खडगपुर और मेसर्स टाटा कंसल्टेंसी (डीसीएल) को कंपनी की पुनर्संरचना के लिए अध्ययन हेतु एचसीएल द्वारा नियुक्त किया गया। एचसीएल के भविष्य के संबंध में लोक उद्यम पुनर्गठन बोर्ड को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। एचसीएल के भविष्य के संबंध में लोक उद्यम पुनर्गठन बोर्ड को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। बीआरपीएसई ने एचसीएल की इकाइयों और समग्र रूप से कंपनी के विस्तृत अध्ययन आईआईटी, खडगपुर द्वारा करवाने की सिफारिश की जिससे दिनांक 17.08.2007 को बीआरपीएसई को अग्रेषित किया गया। दिनांक 9.1.2008 को हुई बैठक में बीआरपीएसई ने एचसीएल के पुनरुद्धार के लिए सार्वजनिक अथवा निजी क्षेत्र के उद्यमों से संयुक्त उद्यम भागीदार का पता लगाने की सिफारिश की जिसके विफल हो जाने पर बैलेंस शीट के शोधन के पश्चात पूर्णतः विनिवेश किया जाएगा। तदनुसार, संयुक्त उद्यम भागीदार का पता लगाने की प्रक्रिया चल रही है।

14.03.04. **स्कूटर्स इंडिया लि (एसआईएल)::** इसकी स्थापना 1972 में की गई थी। यह अब पारंपरिक अपारंपरिक ईंधन चालित तिपहियों के विनिर्माण और विपणन में लगी है। कंपनी 2006-07 से हानि उठा रही है और बीआईएफआर को सौंपी गई है। बीआरपीएसई ने 28.07.2010 को एसआईएल के पुनरुद्धार प्रस्ताव को स्वीकार किया और उसके पुनरुद्धार के लिए एक उपयुक्त संयुक्त उद्यम भागीदार का पता लगाने के लिए प्रयास करने की सिफारिश की कि वैकल्पिक रूप से कंपनी को बंद करना पड़ेगा। तदनुसार भारत सरकार ने 19.05.2011 को एसआईएल के पुनरुद्धार प्रस्ताव पर विचार किया है और यह निर्णय लिया गया है कि संसद में संकल्प प्रस्तुत करने के पश्चात् इसकी समूची सरकारी इक्विटी किसी समुचित पहचाने गए सामरिक भागीदार को अंतरित कर दी जाए।

14.03.05. **त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि., नैनी इलाहाबाद::** कंपनी की स्थापना 1965 में की गई थी। कंपनी मुख्यतः भवन संरचना टावर प्रेशर वेसल्स, पाइप्स और पेनस्टाक आदि से संबंधित कार्य में संलग्न है। कंपनी सरकारी क्षेत्र का रूग्ण उपक्रम है और बीआईएफआर के साथ-साथ एएआईएफआर ने उसको बंद करने की सिफारिश की है। मंत्री (भारी उद्योग और लोक उद्यम) के अनुमोदन से यह निर्णय लिया गया है कि इसे संयुक्त उपक्रम बनाने अथवा रेलवे/रक्षा संगठन अथवा पीएसी द्वारा अधिगृहित करने के प्रयास किए जाएं।

14.03.06. **तुंगभद्रा स्टील प्रोडक्ट्स , हास्पेट कर्नाटक:** कंपनी की स्थापना 1960 में की गई थी। कंपनी मुख्यतः हाइड्रालिक संरचना, पेनस्टाक, भवन संरचना, ट्रांसमिशन लाइन टावर आदि के विनिर्माण में संलग्न है। कंपनी बीआईएफआर को सौंपा गया सरकारी क्षेत्र का रूग्ण उपक्रम है। कंपनी का पुनरुद्धार करने की दृष्टि से संयुक्त उद्यम भागीदार बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।